शब्दार्थ

- वादा - प्रतिज्ञा, किसी से कहना और निश्चयपूर्वक यह कहना ।
- अहंकारी - घमंडी, मगरूर
- पागल - बावला, विक्षिप्त
- ललकार - प्रतियोगिता, लड़ाई आदि के लिए किसी को किया जानेवाला आह्वान या किया जानेवाला आमंत्रण।
- हँसी उड़ाई - किसी पर हँसना, किसी का मजाक उड़ाना
- परवाह - चिन्ता करना
- तड़प - छटपटाहट, व्याकुलता; बेचैनी
- कोशिश - प्रयत्न, चेष्टा
- सफल - कामयाब
- हार मानना - छोड़ देना

- सबक - शिक्षा, नसीहत।
- विशाल - बहुत बड़ा

व्याकरण

- निम्नलिखित शब्दों से वाक्य बनाओ -
- हाथी - हाथी एक विशाल स्थूल जानवर है।
- अहंकारी -
- तड़प - मोहर आगे निकल गयी, मगर माँ जमीन पर तड़प रही थी।"
- सूंड - उठी सूंड लाखकी, झुकी सूंड खाक की।
- बलवान - बलवान मनुष्य प्राय: दयालु होता है।
- वर्ण विच्छेद कीजिए -
- अपनी - अ + प + अ + न + ई

- सबक - स् + अ + ब् + अ + क् + अ
- तड़प - त् + अ + ड़् + अ + प् + अ
- पागल - प् + आ + ग् + अ + ल् + अ
- चिड़िया - च् + इ + ड़् + इ + य् + आ

गृहकार्य

- रिक्त स्थान भरो -
- चींटी ~~हाथी~~ ने चिड़िया से वादा किया।
- चींटी हाथी को पेड़ के निचे देखा।
- चींटी ने हाथी की परवाह न की।
- बड़े आकार होने से प्राणी बलवान नहीं होता।
- चिड़िया ने किसको सारी बात बताई?

3- चिड़िया ने चींटी को सारी बात बताई

Page 49

• हाथी कैसा था ?

उ- हाथी बड़ा था, अहंकारी तथा पागल था।

• कौन हाथी को जोर जोर से ललकारा ?

उ- चींटी ने हाथी को जोर जोर से ललकारा

• हाथी किसकी हँसी उड़ाई ?

उ- हाथी चींटी की हँसी उड़ाई।

• चींटी हाथी की सूंड में घुस कर क्या किया ?

उ- चींटी हाथी की सूंड में घुस कर काटने लगा।

मौखीक

1. श्रुतलेख एवं उच्चारण अभ्यास -

प्राणी
बलवान
मस्त
चिड़िया
घोंसला
मायूस
चींटी
बाद
अहंकारी

2. कम-से-से कम शब्दों में उत्तर दीजिए

(क) पेड़ ऊपर क्या था?

उ- पेड़ के ऊपर चिड़ीया घोंसला था।

ख घोंसले मे कितने अंडे रखे थे?

उ- घोंसले मे दो अंडे रखे हुए थे?

ग पेड़ को जोर से हिलाने पर क्या हुआ

उ- पेड को जोर से हिलाने पर चिड़िया का घोंसला गिर गया और अंडे टूट गए।

घ चींटी ने चिड़िया से क्या वादा किया?

उ- चींटी ने हाथी से यह वादा क्या वादा किया?

उ- चींटी ने हाथी से यह वादा किया कि वह हाथी को जरूर मजा चखाएगी

लिखित

1. सही वाक्य पर (✓) का और गलत वाक्य पर (✗) का निशान लगाइए-

(क) चिड़िया ने हाथी को बहुत समझाया। ✓

(ख) हाथी ने चींटी का मजाक उड़ाया। ✓

(ग) चिड़िया के अंडे टूटे नहीं थे। ✗

(घ) चींटी ने हाथी से बदला लिया। ✓

2. निम्नलिखित शब्दों की सहायता से रिक्त स्थान भरिए।

(मायूस, घोंसला, बलवान, सबक)

(क) संसार में हर बड़े बड़े अकार का प्राणी अपने आपको बलवान समझते है।

(ख) पेड़ के ऊपर चिड़िया का घोंसला था।

(ग) मायूस चिड़िया पेड़ की डाल पर बैठकर रोने लगी।

(घ) चींटी ने हाथी को सबक सिखाया।

3. जोड़े बनाइए -

(क) पेड़ के ऊपर — (i) रोने का कारण पूछा।

(ख) चींटी ने चिड़िया से — (ii) प्राणी बलवान नहीं होता

(ग) हाथी बेचारा दर्द से — (iii) चिड़िया का घोंसला था

(घ) विशाल अकार होने से — (iv) तड़प उठा

4. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए -

(क) हाथी अपने शरीर को पेड़ से रगड़ने लगा था ?

उ- हाथी अपने शरीर को एक पेड़ के तने से रगड़ने लगा।

(ख) घोसले में क्या रखा था ?

उ- घोसले में चिड़िया के दो अंडे रखे थे।

(ग) चिड़िया क्यों रोने लगी ?

उ- अंडे टूटने से चिड़िया मायूस होकर रोने लगी।

(घ) हाथी ने किसका मजाक उड़ाया ?

उ- हाथी ने चींटी का मजाक उड़ाया।

5. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर विस्तार पूर्वक लिखिए -

(क) चींटी ने हाथी से कैसे बदला लिया ?

3- जो हाथी ने चींटी का मजाक उड़ाया था
यह चींटी को अच्छा नहीं लगा। चींटी
चिड़िया से भी वादा किया था की हाथी को
सबक सखाएगा मन ही मन हाथी को
सबक सिखाने की ठानी। चींटी पास ही
एक झाड़ी में छिप गई और मौका देखते
ही चुपके से हाथी की सूंड में घुस गई
फिर उसने हाथी को काटना शुरू कर
दिया। हाथी परेशान हो उठा। उसने
सूंड को जोर जोर से हिलाया, लेकिन
कोई फायदा नहीं हुआ हाथी दर्द से
कराहने और रोने लगा यह देख चींटी
ने कहा की हाथी भाया आप दूसरों को
परेशान करते हो तो बड़ा मजा लेते हो
तो अब खुद क्यों परेशान हो रहे हो?
हाथी को अपनी गलती का एहसास
हो गया और उसने चींटी से माफी मांग
की आगे से वह कभी किसी को नहीं
सताएगा चिड़ीया ऊपर उड़ आ गयी
वह आकर बोली की कभी किसीको छोटा
और कमजोर नहीं समझना चाहिए।
यह सुन हाथी बोला की मुझे सबक मिल
चुका है मुझे अच्छी सिख दी तुमने
अब हम सब मिलकर रहेंगे और कोई
किसी को परेशान नहीं करेगा इस तरह

हाथी ने चींटी हाथी से बदला लिया।

(ग) इस कहानी से क्या शिक्षा मिलती है?

3- अहंकारी हाथी से झगड़ा सामना ना करना (चिड़िया) की भूल थी, जबकि चींटी ने समझदारी का परिचय दिया। साधारण रूप में कह सकते हैं कि आकार में बड़ा होने से ही कोई बलवान नहीं होता।

- ज्ञान अच्छे कर्म ही प्राणी को बड़ा बनाते हैं। चींटी का चिड़िया से सहानुभूति दिखाना व उसकी मदद।

- हाथी को सबक सिखाना उसकी समझदारी को दर्शाता है। जो हमें अच्छे कर्म करने की प्रेरणा देता है।

घमंडी का सिर सदा नीचे होता है। कभी किसी को कमजोर और छोटा न समझें। दूसरों के दर्द व तकलीफ को समझना ही जीने का सही तरीका है।

भाषा ज्ञान

1. पढ़िए और समझिए -

चींटी - चींटियाँ

लड़की - लड़कियाँ

तितली - तितलियाँ

चिड़िया - चिड़ियाँ

अंडा - अंडे

घोंसला - घोंसले

बच्चा - बच्चे

तना - तने

2- (क) चींटी जाती है।

3- चींटियाँ जाती हैं।

(ख) घोंसले में अंडे हैं।

३. घोंसले में अंडा है।